मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

26 जनवरी, 2026

गणतन्त्र दिवस समारोह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के गंगा परिसर में 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2026 को कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने ध्वजारोहण किया। जिसमें कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, सभी विद्या शाखाओं के निदेशक, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

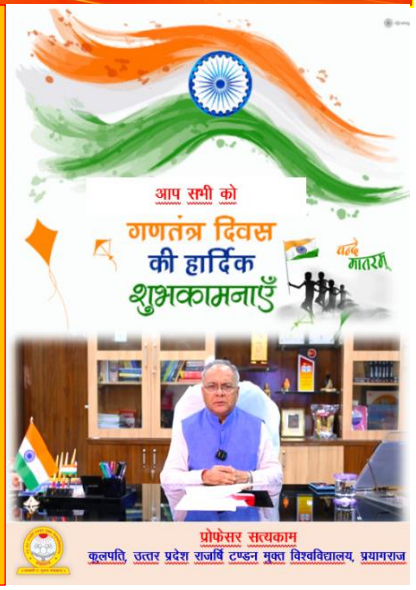

ध्वजा रोहण के लिए जाते हुए माननीय कुलपति, प्रोफेसर सत्यकाम जी तथा साथ में कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

ध्वजा रोहण करते हुए माननीया कुलपति, प्रोफेसर सत्यकाम जी

राष्ट्रगान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

गणतंत्र का सही अर्थ अंतिम विद्यार्थी तक शिक्षा का प्रकाश पहुंचाना – प्रोफेसर सत्यकाम

सम्पूर्ण विश्व के आदर्श लोकतंत्र के गणतंत्र दिवस को कोटि कोटि प्रणाम एवं समस्त देशप्रेमियों को राष्ट्र के महापर्व गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें। आइये! इस ऐतिहासिक दिन संकल्प लें कि देश की एकता, अखंडता को सदैव अक्षुण्ण रखेंगे और राष्ट्र विकास के पथ पर अग्रसर रहेंगे।

प्रोफेसर सत्यकाम
कुलपति

विश्वविद्यालय में रहकह हमें देश को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए।

मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया ध्वजारोहण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में गणतंत्र दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने ध्वजारोहण किया। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि स्वयं और स्वयंप्रभा चौनल के माध्यम से मुक्त विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाना है जिसके लिए मुक्त विश्वविद्यालय 31 मार्च 2026 तक 400 वीडियो लेक्चर तैयार कर इग्नू को भेज देगा। जिससे अंतरराष्ट्रीय फलक पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लेक्चर की भूमिका महत्वपूर्ण हो जायेगी और उनके मान सम्मान में भी वृद्धि होगी।

इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह अपने जीवन पथ पर लगातार अग्रसर होते रहें। उन्होंने कहा कि गणतंत्र का सही अर्थ विश्वविद्यालय के अंतिम विद्यार्थी तक शिक्षा का प्रकाश पहुंचाना है। शिक्षार्थियों की समस्याओं का समाधान करना हमारा अभीष्ट लक्ष्य होना चाहिए। विश्वविद्यालय में ऐसी संस्कृति का विकास हो जिसमें लोग एक दूसरे के मददगार बनें। स्वकेंद्रित धारणा के स्थान पर समूह चर्चा पर विशेष जोर दिया जाए।

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्व में भारत पहला राष्ट्र है, जहां गणतंत्र की स्थापना सबसे पहले हुई। हमें लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखना है। भारत को कई वर्ष तक कठिनाइयों से गुजरना पड़ा। राष्ट्र के विकास में कई महापुरुषों का अमूल्य योगदान है।

उन्होंने शिक्षकों का आह्वान किया कि वे रचनात्मकता की दिशा में आगे बढ़ें, इसके लिए उन्हें खुश रहने का मंत्र विकसित करना होगा। प्रसन्नता बहुत मूल्यवान चीज है। हंसना बहुत जरूरी है। हंसने से जड़ता की स्थिति का त्याग होता है। नकारात्मकता व्यक्तित्व विकास के लिए बाधक है।

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को सुगठित, सुव्यवस्थित व प्रसन्न रखने के लिए व्यक्तित्व विकास पर कार्यशालाएं प्रारंभ करने जा रहे हैं जो कि विभिन्न विद्या शाखाओं तथा अनुभागों से प्रारंभ होगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य शिक्षार्थियों की संतुष्टि का ग्राफ 50: से ऊपर ले जाना है जिसके लिए प्रत्येक सदस्य को शिक्षार्थी देवो भव के संकल्प को साकार करना होगा। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि नित नूतन परिवर्तन प्रकृति का नियम है। परिवर्तनशीलता और गतिशीलता बनाए रखने के लिए योग का अभ्यास आवश्यक है। उन्होंने योग गुरु अमित सिंह का आह्वान किया कि वह शीघ्र ही योग सत्रों को प्रारंभ करें।

कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

योग करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम
जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

वन्देमातरम्

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम जी के साथ
विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण